मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8

MTT–055

अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी. जी. डी. टी.) (संशोधित)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.टी.टी.–055 : अनुवाद : साहित्य और जनसंचार

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रश्न संख्या **1** से **6** तक किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **750** शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रश्न संख्या **7** और **8** अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों के अंक उनके समक्ष दिए गए हैं।*

---

1. सृजनात्मक और ज्ञान–विज्ञान के साहित्य के अनुवाद में अंतर के आयामों पर प्रकाश डालिए। 15

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

2. नाट्यानुवाद की चुनौतियों की उपयुक्त उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए। 15

3. "भारतीय साहित्य की अवधारणा और अनुवाद" विषय पर निबंध लिखिए। 15

4. जनसंचार माध्यमों में अनुवाद की चुनौतियों का सोदाहरण वर्णन कीजिए। 15

5. 'प्रचार' से 'विज्ञापन' की भिन्नता को स्पष्ट करते हुए विज्ञापनों के गुणों का विवेचन कीजिए। 15

6. "श्रव्य माध्यम (रेडियो) और अनुवाद" विषय पर निबंध लिखिए। 15

7. निम्नलिखित में से किसी **एक** अनुच्छेद का हिंदी में अनुवाद कीजिए : 20

Mrs. Fitzgerald is a bold and fearless woman. She is a justice loving person who is moved to pity to see the plight of the oppressed people like Mrs. Pearson. Rather than just helping them she wakes them up and asks them to draw on their own

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

strength and claim their due rights and privileges. Still if she feels a helping hand is needed she readily extends it.

Mrs. Pearson, on the other hands, is very timid and mild by nature. She is nervous and lacks confidence. She frankly confesses before Mrs. Fitzgerald that adopting a tough line for her family is not her cup of tea. Everyone would resent her approach and would not pay any heed to her directives, she fears.

Being fully aware of the misery Mrs. Pearson had to undergo everyday as a mother, Mrs. Fitzerald advises her to be firm and to put her foot down and be the mistress and the boss of her family. I think the values that Mrs. Fitzgerald practices in life are more appropriate for the modern times, although one can very easily avoid having to smoke and drink.

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

अथवा

(*Or*)

Introducing sweeping changes in contract condition to attract more private investment, National Highways Authority of India (NHAI) will bring in a provision of buying back tolled highway projects in case of competing road or additional tolled road that come up in its vicinity. The changes, which have been finalised, include paying 90% of the loans due to lenders before termination of any contract in case of default by contractors or the highway authority, which will bring comfort to banks and financial institutions. NHAI is also likely to share with lenders the details and status of land for any project, considering non-availability of land has been a key reason for delays.

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

These major amendments in the 'model concession agreement' and reforms for tolled highway projects to be built with private investment will be introduced to revive investment in the sector. NHAI has identified 54 projects worth over ₹ 2.2 lakh crore and covering 5200 km. It shared details of the projects with builders, financial institutions and fund managers on Wednesday. "We are open to making more changes to attract private investment..... We're trying to fast-track clearances and make the entire system transparent in order to make these projects attractive," Union Minister said.

8. निम्नलिखित में से किसी **एक** अनुच्छेद का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : 20

आज एक ऐसी अप्रत्याशित घटना घटी जिससे मैं अचंभित हूँ। बहू-बेटे की प्रताड़ना, रोज-रोज की जली-कटी सुनकर एक विधुर व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली, वह भी ट्रेन से

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

कटकर । वर्षों का संताप एक मिनट में खत्म। मैं उस अभागे के साथ अक्सर एक पार्क में बैठता था। हमारी तरह वहाँ कई बुजुर्ग जुट आते थे। कोई अपने ही मोहल्ले का होता तो कोई दूर से भी आ जाता। तरह-तरह की बातें होतीं। अपनी पढ़ाई-लिखाई, शादी-ब्याह, बाल-बच्चे, नौकरी-चाकरी आदि से लेकर सेवानिवृत्ति तक का सफर। किसी की पत्नी गुजर गई तो किसी ने अपना बेटा-बेटी खो दिया, कोई थोड़ा संतुष्ट तो कइयों के साथ मानसिक या शारीरिक कष्ट। इतना सब होने के बाद भी हम एकमत थे कि सुख-दु:ख जीवन के दो पहलू हैं; वे तो आजीवन साथ बने रहेंगे! सबका ठौर-ठिकाना नियत था, हमारी ड्यूटी नियत थी। घर में कोई जरूरत, हाट बाजार से भी करते और शाम को कुछ घंटे इस पार्क में गुजार हम सब तरोताज़ा हो जाते और अपनी-अपनी राह पकड़ते। पार्क के करीब ही भागीरथी नदी थी। उसे देखकर ख्याल आता क्या इसके सीने में कम कहानियाँ छिपी होंगी, पर अपने अंदर सभी को समेटे हुए कितनी शांति से हजारों वर्षों से यूँ ही शांत बहती आ रही है।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

अथवा

(*Or*)

नई पीढ़ी से जुड़ी एक हालिया रिपोर्ट बहुत चिंतित करने वाली है। गैलप और वाल्टन फैमिली फाउंडेशन की एक रिपोर्ट यह कहती है कि 'जेन ज़ी' अकेलेपन के भयावह दौर से गुजर रही है और खुद को अकेला महसूस कर रही है। 1997 और 2012 के बीच जन्म लेने वालों को 'जेन ज़ी पीढ़ी' जी कहा जाता है। यह रुझान इसलिए और चिंता बढ़ाता है क्योंकि यह वह पीढ़ी है जो पिछली पीढ़ियों की तुलना में कहीं अधिक सुविधासंपन्न है। इसके बावजूद वह तनाव, चिंता और अवसाद में डूबी हुई है। दुनियाभर के अन्य अध्ययन भी इस पीढ़ी के बारे में यही रुझान बताते हैं। दु:खद पहलू यह है कि ऐसे रुझानों और मनोविज्ञानियों की चेतावनियों के बावजूद इस विषय पर आवश्यक चिंतन-मनन नहीं हो रहा है। मानसिक वेदना सहज ही किसी का

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

ध्यानाकर्षण नहीं करती। विशेषकर इस संदर्भ में भारत की बात की जाए तो यहाँ मानसिक पीड़ा को तनाव तथा अवसाद का क्षणिक आवेग माना जाता है, लेकिन यह सही नहीं। मानसिक पीड़ा, एक ऐसा भाव है जिसे अगर समय रहते समझा न जाए और इसका उपचार नहीं किया जाए तो वह घातक भी हो सकता है।

× × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com